# विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

# शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

**विषय संस्कृत।** **7 सितम्बर 2020**

**वर्ग सप्तम** **राजेश कुमार पाण्डेय**

**एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित**

## षष्ठः पाठः

## उधमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः

**अकर्मण्यः श्यामः मूर्खः अपि आसीत्।**

**आलसी श्याम मूर्ख भी था।**

**सः रामेण सह न अगच्छत्।**

**वह राम के साथ नहीं गया।**

**रामः स्व शस्यम् कर्तित्वा गृहम् अनयत् सुरक्षिते स्थाने च व्यवस्थापयत्।**

**राम अपनी फसल को काटकर घर ले आया और सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था करके रख दिया।**

**अन्येधुः आसारः वृष्टि अभवत्।**

**दूसरे दिन बहुत जोरों से वर्षा हुई।**

**श्यामस्य शस्यम् वृष्टौ प्रावहत्।**

**श्याम का फसल वर्षा में बह गया।**

**अलसः श्यामः आत्मानं मुषितं मत्वा नष्टम् शस्यम् पश्यन् शिरः धृत्वा तत्र एव अतिष्ठत्।**

**आशी श्याम अपने फसल को नष्ट देखकर सिर पर हाथ रखकर वहां ही बैठ गया।**

**सत्यमेव उक्तम् –**

**सत्य ही कहा गया है**

**उधमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।**

**परिश्रम से ही कार्य की सिद्धि होती है।**

**न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।**

**जिस प्रकार से सोए हुए शेर के मुंह में पशु प्रवेश नहीं कर जाता।**